कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–4

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ग) कई शक्ति केंद्रों के उदय से
2. (ख) गुटनिरपेक्ष आंदोलन
3. (ग) 1955
4. (ख) स्वतंत्र निर्णय क्षमता
5. (ग) केंद्र–राज्य सहयोग
6. (ख) 356
7. (ख) नगर निकायों पर
8. (ग) प्रधानमंत्री
9. (घ) विपक्ष को समाप्त करना
10. (ग) 1967 के बाद
11. (ख) भाषाई पुनर्गठन
12. (घ) 2 वर्ष
13. (ख) 1991 के बाद
14. (ग) 1993
15. (ग) संविधान
16. (ख) 11
17. (ख) आयरिश संविधान
18. (ग) वार्षिक
19. (ग) नियमित चुनाव
20. (ग) एशिया–प्रशांत

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. बहुध्रुवीयता क्या है?

जब विश्व में अनेक शक्ति केंद्र हों, उसे बहुध्रुवीयता कहते हैं।

22. वारसा संधि किससे संबंधित थी?

सोवियत गुट के सामूहिक सुरक्षा समझौते से।

23. समवर्ती सूची का एक विषय

शिक्षा।

24. प्रधानमंत्री का एक संवैधानिक कार्य

मंत्रिपरिषद का गठन करना।

25. दल-बदल का अर्थ

एक दल से दूसरे दल में शामिल होना।

26. क्षेत्रीय दल क्या होते हैं?

जो किसी विशेष राज्य या क्षेत्र के हितों का प्रतिनिधित्व करें।

27. UNSC के एक स्थायी सदस्य का नाम

अमेरिका।

28. मौलिक कर्तव्य का उद्देश्य

नागरिकों में राष्ट्रभक्ति और जिम्मेदारी बढ़ाना।

29. चुनाव आयोग का एक कार्य

चुनाव का संचालन करना।

30. रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ

विदेश नीति में स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दो विशेषताएँ

1. कई शक्तिशाली देशों का उदय।

2. शक्ति संतुलन की नीति।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन के पतन के दो कारण

1. शीत युद्ध का अंत।
2. सदस्य देशों के आपसी मतभेद।

33. समवर्ती सूची का महत्व

यह केंद्र और राज्य दोनों को कानून बनाने की अनुमति देती है, जिससे सहयोग बढ़ता है और राष्ट्रीय एकता मजबूत होती है।

34. गठबंधन राजनीति के दो सकारात्मक प्रभाव

1. व्यापक प्रतिनिधित्व।
2. निरंकुशता में कमी।

35. क्षेत्रीय दलों की भूमिका

क्षेत्रीय मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना और संघीय ढांचे को मजबूत करना।

36. संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्य

1. अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा।
2. बजट पारित करना।
3. महासचिव का चयन।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के अंत के कारण

सोवियत संघ की आर्थिक कमजोरी, हथियारों की होड़, गोर्बाचेव की सुधार नीतियाँ और पूर्वी यूरोप में जन आंदोलनों ने शीत युद्ध समाप्त किया।

38. भारतीय संघवाद में केंद्र की प्रधानता

अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास हैं। आपातकालीन प्रावधान केंद्र को अधिक शक्तियाँ देते हैं। राज्यपाल की नियुक्ति भी केंद्र करता है।

39. गठबंधन सरकारों के प्रभाव

सकारात्मक – विविध प्रतिनिधित्व और लोकतंत्र की मजबूती।
नकारात्मक – अस्थिरता और नीतिगत असहमति।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की संरचना एवं कार्यप्रणाली

संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंग हैं – महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक एवं सामाजिक परिषद आदि। यह विश्व शांति और विकास के लिए कार्य करता है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत

भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता, पंचशील, विश्व शांति और रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित है। भारत ने शीत युद्ध के दौरान किसी गुट में शामिल न होकर स्वतंत्र नीति अपनाई। पंचशील सिद्धांत शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर आधारित हैं।

भारत विकासशील देशों के हितों की रक्षा करता है और संयुक्त राष्ट्र में सक्रिय भूमिका निभाता है। वर्तमान में "Act East Policy" और "Neighbourhood First" जैसी नीतियाँ भारत की सक्रिय कूटनीति को दर्शाती हैं।

42. भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की भूमिका (समालोचनात्मक अध्ययन)

चुनाव लोकतंत्र की आत्मा हैं। यह जनता को सरकार चुनने का अधिकार देता है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र को मजबूत करते हैं।

सकारात्मक पक्ष – जनभागीदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता।
नकारात्मक पक्ष – धनबल, बाहुबल और जातीय राजनीति।

निष्कर्षतः, चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्र का आधार है, परंतु सुधार आवश्यक हैं।

N